उपाबंध-X

(अध्याय-V, पैरा 5.13)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त 2012

का. आ. 1732 (अ).—केन्द्रीय सरकार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 169 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात् निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का और संशोधन करने के निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्वाचनों का संचालन (संशोधन) नियम, 2012 है.
   (2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे.

2. निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के प्ररूप 26 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्:—

"प्ररूप 26

(नियम 4क देखिए)

......[illegible] ..... म.प्र. .... निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

...उप. लोक सभा (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग-क

मैं [illegible] पुत्र/पुत्री/पत्नी [illegible] आयु ... 46 वर्ष, जो [illegible] ... (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं:—

(1) मैं समता समाधान पार्टी .... (**राजनीतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूं।

(** जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम आलमसिंह .... (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं. 148 के क्रम सं. 246 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 8223918958 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) .... है।

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाईल करने की प्रास्थिति :

क्रम संख्या	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1	स्वयं	निरंक	निरंक	निरंक
2.	पति या पत्नी	निरंक	निरंक	निरंक
3.	आश्रित - 1	निरंक	निरंक	निरंक
4.	आश्रित - 2	निरंक	निरंक	निरंक
5.	आश्रित - 3	निरंक	निरंक	निरंक

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/को अभियुक्त नहीं हूं जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभ्यर्थी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/को अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी:—

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिये न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे।	निरंक
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की (धारा धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है।	निरंक
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख।	निरंक
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई।	निरंक
(ड)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	निरंक
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं।	निरंक

Krishna Chandra Modi
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न]:—

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	निरंक
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	निरंक
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यौरे	निरंक

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिये कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया है:

यदि अभ्यर्थी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है:

(क)	उन मामलों के ब्यौरे अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है।	निरंक
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)।	निरंक
(ग)	अधिरोपित दंड	निरंक
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति।	निरंक

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे दे रहा हूं:—

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पणी 1-संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया गया है।

...Chandra Modi
B.A., LL.B.
NOTARY ADVOCATE
...RAJPUR Distt. ...

टिप्पण 2-जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3-सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4-यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (i) में है।

टिप्पण 5-रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	हाथ में नकदी	29000/-	5000/-	निरंक	निरंक	निरंक
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा के रकम।	10,000/-	5000/-	निरंक	निरंक	निरंक
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

...rishna Chandra Modi
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE
...RAJPUR Distt. ...

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(vi)	मोटरयान / वायुयान / याट / पोत(मेक,रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु(वस्तुएँ) व भार और मूल्य के ब्यौरे)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(ix)	समस्त कुल मूल्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1–संयुक्त स्वामित्व की सीमा उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2–प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां)। सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	2 हेक्टेयर	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	2 हेक्टेयर	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

V.S.B.K.

Krishna Chandra Misra
B.L. LL.B.
NOTARY ADVOCATE
Distt. Balrampur (U.P.)

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(ii)	गैर कृषि भूमि					
	अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्या विरासत में आई संपत्ति (हां या नहीं)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	विकास,संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य					
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	निर्मित क्षेत्र(वर्ग फुट में कुल माप)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

Krishna Chandra Modi
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE
...RAJPUR Distt. Alirajpur (M.P.)

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	विकास,संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान ।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति(अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख ।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	विकास,संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(iv)	अन्य (जैसे की संपत्ति में हित)।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

Krishna Chandra Modi
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE
...RAJPUR Dist. Alirajpur (M.P.)

(ख) मैं लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों / को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ–

टिप्पण : कृपया बैंक,संस्था निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरे का पृथक विवरण दें

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नि	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों निकाय को ऋण या शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	कोई अन्य दायित्व	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	दायित्व का कुल योग	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(ii)	सरकारी शोध्य– सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	टेलिफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

Krishna Chandra Arodt
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE
...RAIPUR Distt. ...

क्रम संख्या	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
	आय-कर शोध्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	धनकर शोध्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	सेवाकर शोध्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	नगरपालिका/ संपत्ति कर शोध्य।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	बिक्रयकर शोध्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	कोई अन्य शोध्य	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं कृषि कार्य

(ख) पति या पत्नी कृषि

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:—

[illegible] छात्र

(प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा/ डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/ विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/ महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिये गये ब्यौरों का उद्धरण

1.	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कुमारी [illegible] सिंह
2.	डाक का पूरा पता	ग्राम [illegible]
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	221 रतलाम ग्रा.अ.ज.जा. म.प्र.

Krishna Chandra Modi [illegible]
NOTARY ADVOCATE
[illegible] Distt. Ratlam (M.P.)

4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)।	
5.	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दण्डनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	निरंक निरंक
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है ऊपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न।	निरंक.
6.	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए।	निरंक

7.	. . . . का स्थायी लेखा सं.	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
(क) अभ्यर्थी	निरंक	निरंक	निरंक
(ख) पति या पत्नी	निरंक	निरंक	निरंक
(ग) आश्रित	निरंक	निरंक	निरंक

8. आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रुपये में)

		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क.		जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
ख.		स्थावर आस्तियां	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	I	अर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

Krishna Chandra Modi
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE
[illegible]

		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
	II	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति को विकास/सन्निर्माण लागत (यदि लागू हो)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
		. . . . को					
	III	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
		(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)					
9.		दायित्व	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
		सरकारी शोध्य (कुल)					
		बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक निरंक
10.		ऐसे दायित्व जो विवादग्रस्त हैं	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	I	सरकारी शोध्य (कुल)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	II	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
11.		उच्चतम शैक्षिक अर्हता: (प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें।					

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथ-पत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि:—

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है.

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है.

आज तारीख . . . . . को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

Kishan Chandra Modi
NOTARY ADVOCATE

टिप्पण 1- शपथ-पत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3.00 अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2- शपथ-पत्र या किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3- सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति ''शून्य'' या ''लागू नहीं होता'' उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4- शपथ-पत्र टंकित या सुवाच्यतया से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

[फा. सं. एच-11019(6)/2012-वि. II]
डॉ. संजय सिंह, अपर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना संख्यांक का. आ. 859, तारीख 15 अप्रैल, 1961 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम बार निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया—

(1) संख्यांक का. आ. 728(अ), तारीख 8 मई, 2007।

(2) संख्यांक का. आ. 425(अ), तारीख 23 फरवरी 2011।

SWORN BEFORE ME ON THE ... DAY OF ... BY ... WHO HAS BEEN IDENTIFIED BY ... PERSONALLY KNOWN TO ME WHOSE SIGNATURE IS/ARE HERETO APPENDED PERSONALLY
NO. 9321 DATE

Krishna Chandra Modi
(B.A., LL.B.)
NOTARY ADVOCATE